भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 196

सोमवार, 20 जुलाई, 2026/29 आषाढ़, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इटावा में पारिस्थितिकी-पर्यटन को बढ़ावा देना

196. श्री जितेंद्र दोहरेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या इटावा स्थित लॉयन सफारी, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य और चंबल नदी पारिस्थितिकी-पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण गंतव्य हैं;

(ख) क्या सरकार का इनके एकीकृत विकास, पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन गंतव्यों को राष्ट्रीय पर्यटन परिपथ में शामिल करके कोई विशेष योजना कार्यान्वित करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पारिस्थितिकी और वन्यजीव पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' जैसी अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उक्त केंद्रीय वित्तीय सहायता दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

श्री जितेंद्र दोहरे द्वारा इटावा में पारिस्थितिकी-पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 20.07.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 196 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
क	**स्वदेश दर्शन 1.0**	
i.	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु में बौद्ध परिपथ का विकास (सितम्बर 2016)	87.89
ii.	रामायण परिपथ के अंतर्गत चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास (अक्टूबर 2021)	69.45
iii.	उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर - बस्ती - आहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी-प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - कैराना - डुमरियागंज - बागपत - बाराबंकी - आजमगढ़ में आध्यात्मिक परिपथ का विकास (नवम्बर 2016)	71.91
iv.	उत्तर प्रदेश के बिजनौर-मेरठ-कानपुर - कानपुर देहात - बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर- घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा- सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही में आध्यात्मिक परिपथ का विकास (दिसम्बर 2016)	67.51
v.	कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) में विरासत परिपथ का विकास (दिसम्बर 2016)	36.65
vi.	रामायण परिपथ के तहत अयोध्या का विकास (सितम्बर 2017)	127.21
vii.	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा में आध्यात्मिक परिपथ का विकास (जुलाई 2018)	12.03
viii.	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर और (बलरामपुर) (डुमरियागंज) वटवाशनी मंदिरमें आध्यात्मिक परिपथ का विकास (जनवरी 2019)	18.30
	कुल स्वीकृत राशि	**490.95**
उपर्युक्त परियोजनाओं के अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत उत्तर प्रदेश और बिहार में		

भी मार्गस्थ सुविधाओं के विकास से संबंधित एक परियोजना को स्वीकृति दी गई है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:		
ix.	उत्तर प्रदेश और बिहार में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास (जून 2018)	17.50
ख	**स्वदेश दर्शन 2.0**	
i.	वैदिक - वेलनेस एक्सपीरियंस नैमिषारण्य, उत्तर प्रदेश (मार्च 2024)	17.80
ii.	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियंस (मार्च 2024)	14.52
	कुल स्वीकृत राशि	**32.32**
ग	**चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)**	
i.	महोबा में सांस्कृतिक परिदृश्य का विकास (मार्च 2025)	24.98
	कुल स्वीकृत राशि	**24.98**
घ	**प्रशाद**	
i.	वाराणसी का विकास - चरण-I (मार्च 2016, मार्च 2023 में संशोधित)	18.73
ii.	मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास (मार्च 2015, अक्टूबर 2022 में संशोधित)	10.98
iii.	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में रिवर क्रूज पर्यटन का विकास (नवम्बर 2017, अक्टूबर 2022 में संशोधित)	9.02
iv.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण (मार्च 2015, दिसम्बर 2019 में संशोधित)	9.36
v.	वाराणसी का विकास - चरण II (फरवरी 2018, दिसम्बर 2018 में संशोधित)	44.60
vi.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास (जनवरी 2019, जनवरी 2024 में संशोधित)	37.59
	कुल स्वीकृत राशि	**130.28**
ङ	**पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)**	
i.	बटेश्वर का विकास (नवम्बर 2024)	74.05
ii.	बौद्ध पर्यटन का एकीकृत विकास (नवम्बर 2024)	80.24
	कुल स्वीकृत राशि	**154.29**
च	**केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए)**	
i.	वाराणसी/सारनाथ के स्मारकों में प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का	5.12

	मकबरा और बनारस में मन महल) (फरवरी 2015)	
ii.	वाराणसी, उत्तर प्रदेश के तीन स्मारकों में प्रकाश व्यवस्था (दिसम्बर 2017) 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2.94
iii.	रायबरेली रेलवे स्टेशन (जुलाई 2013)	4.44
iv.	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन (जुलाई 2013)	5.05
v.	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2- उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम पर नदी क्रूज के आरोहण/अवरोहण के नौ मुख्य स्थलों पर जेट्टी का विकास (अप्रैल 2020)	28.03
	कुल स्वीकृत राशि	**45.58**
	कुल केंद्रीय सहायता	**878.40**

****